

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक-पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	पांडवों की रक्षा
शीर्षक	आओ संवाद करें
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	दो
कौशल	सृजनात्मक लेखन एवं वाचन
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़, कलम और कार्यपत्र

चरण:- 1. शैक्षिक अधिगम:-

- * विद्यार्थी संवाद-लेखन की कला में निपुण हो सकेंगे।
- * विद्यार्थियों में सृजनात्मकता और कल्पना शक्ति का विकास हो सकेगा।

2. अध्यापिका गतिविधि :-

- * अध्यापिका कक्षा के सभी विद्यार्थियों को दो-दो के समूहों में विभाजित करेंगी।
- * तत्पश्चात् पाठ में उल्लिखित तथा नीचे कोष्ठक में लिखित पात्रों के मध्य हुए संवाद में से किसी एक पात्र युगल के संवादों को अपने शब्दों में लिखने का निर्देश देंगी।
- * कोष्ठक:-

पात्र युगल के नाम हैं:- *युधिष्ठिर और नगरवासी *युधिष्ठिर और भीम *दुर्योधन और पुरोचन
*युधिष्ठिर और विदुर *युधिष्ठिर और सुरंग बनाने वाले कारीगर

- * प्रत्येक समूह को अपनी इच्छानुसार एक-एक विषय पर संवाद तैयार कर अपने संवाद को मौखिक रूप में प्रस्तुत करना होगा।
- * अध्यापिका निर्धारित प्रारूप के आधार पर मौखिक संवाद वाचन का मूल्यांकन करेंगी।
- * अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी।
- * अंत में प्रत्येक समूह अपनी लिखित प्रस्तुति अध्यापिका को देगा।

3. विद्यार्थी - गतिविधि:-

- * प्रत्येक समूह अध्यापिका द्वारा प्रदत्त विषय को समझ कर संवाद लिखेगा।
- * तत्पश्चात् प्रत्येक समूह संवाद को मौखिक रूप में कक्षा में एक-एक कर प्रस्तुत करेगा।
- * सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे।
- * अंत में प्रत्येक समूह अपनी लिखित प्रस्तुति अध्यापिका को देगा।

4. मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: पांडवों की रक्षा

गतिविधि : आओ संवाद करें

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. सतर्कता से हम बड़ी से बड़ी समस्या से भी निकल सकते हैं | ' पांडवों की रक्षा ' पाठ हमें यही शिक्षा देता है विदुर और पाण्डवों की सतर्कता ने उनकी रक्षा की? अपना कोई ऐसा अनुभव लिखिए जब आप की सतर्कता से आप का परिवार या मित्र पर आई मुसीबत टल गई |

प्रश्न.2. देश के मान-सम्मान की रक्षा के लिए एक देशवासी को जो-जो सावधानियाँ रखनी चाहिए, उन्हें नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए | यथा -देश की निंदा नहीं करनी चाहिए |

देश की निंदा नहीं करनी चाहिए।		